ज्ञान भारतम मिशन और राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन

[स्रोत: द हिंदू](#)

केंद्रीय बजट 2025-26 में **'ज्ञान भारतम मिशन'** की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य **भारत की विशाल पाण्डुलिपि विरासत का सर्वेक्षण, दस्तावेज़ीकरण और संरक्षण** करना है।

- **उद्देश्य:** इस पहल का उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों, संग्रहालयों, पुस्तकालयों और निजी संग्रहों में रखी **एक करोड़ से अधिक पाण्डुलिपियों** को संरक्षित करना है।
- **बजट आवंटन:** इस नई पहल को समायोजित करने के लिये, [राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (NMM)](#) के लिये बजट आवंटन 3.5 करोड़ रुपए से बढ़ाकर **60 करोड़** रुपए कर दिया गया है।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन (NMM):

- **NMM** को **वर्ष 2003 में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA)** के अंतर्गत **संस्कृति मंत्रालय** द्वारा लॉन्च किया गया था।
- इसका उद्देश्य **भारत की विशाल पाण्डुलिपि विरासत** को संरक्षित करना और उसे सुलभ बनाना है।
    - IGNCA की स्थापना वर्ष 1987 में अनुसंधान, शैक्षणिक अनुसंधान और कला के प्रसार के लिये एक स्वायत्त संस्थान के रूप में की गई थी।

पांडुलिपि:

- पांडुलिपि **कागज, छाल, कपड़े, धातु या ताड़ के पत्ते** जैसी सामग्री पर बनाई गई **हस्तलिखित** रचना, जो **कम-से-कम 75 वर्ष पुरानी** हो।
- भारत में अनुमानतः **5 मिलियन पाण्डुलिपियाँ हैं**, जो संभवतः विश्व का सबसे बड़ा संग्रह है।

और पढ़ें: [राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन (NMM), राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन और राष्ट्रीय संस्कृति कोष का पुनरुद्धार](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gyan-bharatam-mission-and-nmm